Daily Current Affairs

Date : 25 March, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	NEP आधारित अध्यादेश लागू करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय : MDSU अजमेर
2.	बीस सूत्री कार्यक्रम की नवीनतम रैंकिंग
3.	100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान'
4.	WWF - इंडिया एवं PK फाउंडेशन सम्मान समारोह
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राष्ट्रीय पैरा तलवारबाजी प्रतियोगिता – 2026 2. भारत की प्रथम बीच ताईजीक्वान नेशनल वुशु चैंपियनशिप में राजस्थान 3. 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान
6.	सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार
7.	विश्व क्षय रोग दिवस
8.	बायोगैस
9.	कृषि नवाचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI4AI)
10.	ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए पहलें
11.	गर्भ-इनी (GARBH-INi)
12.	निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (RoDTEP) योजना
13.	मध्य पूर्व संघर्ष का आर्थिक प्रभाव
14.	सुर्ख़ियों में रहे संघर्षरत क्षेत्र
15.	ग्लोब नेटवर्क (GlobE Network)
16.	पैक्स सिलिका और डिजिटल उपनिवेशवाद का नया युग
17.	वैश्विक जलवायु की स्थिति 2025 रिपोर्ट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

NEP आधारित अध्यादेश लागू करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय : MDSU अजमेर

चर्चा में क्यों?

- महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (MDSU), अजमेर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) - 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अध्यादेश लागू करने वाला राजस्थान का पहला विश्वविद्यालय बना।

मुख्य बिन्दु:

- विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 से ही स्नातक (UG) स्तर पर NEP-2020 के प्रावधानों को लागू कर दिया था, जिसमें सेमेस्टर सिस्टम, क्रेडिट ढांचा और कौशल विकास जैसे महत्त्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ज्ञातव्य है कि राजस्थान के सभी राजकीय महाविद्यालयों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एवं सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जा चुका है। साथ ही, उच्च शिक्षा को कौशल आधारित एवं व्यावहारिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (NEP - 2020):

- **स्वीकृति :** स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति के रूप में 29 जुलाई, 2020 को।

संरचनात्मक सुधार (स्कूल शिक्षा)

- **5+3+3+4 ढांचा :** पुरानी 10+2 प्रणाली के स्थान पर अब 5+3+3+4 की व्यवस्था अपनाई गई है।
- **फाउंडेशनल स्टेज (5 वर्ष) :** 3 साल आँगनवाड़ी/प्री-स्कूल + कक्षा 1 और 2।
- **प्रिपरेटरी स्टेज (3 वर्ष) :** कक्षा 3 से 5 तक।
- **मिडिल स्टेज (3 वर्ष) :** कक्षा 6 से 8 तक।
- **सेकेंडरी स्टेज (4 वर्ष) :** कक्षा 9 से 12 तक।
- **मातृभाषा में शिक्षा :** कक्षा 5 तक (संभव हो तो कक्षा 8 तक) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा रखने पर जोर दिया गया है।
- **छात्र-शिक्षक अनुपात (STR) :** प्रत्येक विद्यालय में इसे 30:1 से कम और वंचित क्षेत्रों में 25:1 से कम रखने का लक्ष्य है।

उच्च शिक्षा (Higher Education)

- **GER का लक्ष्य :** उच्च शिक्षा में 'सकल नामांकन अनुपात' (GER) को वर्ष 2035 तक बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना।
- **बहु-विषयक शिक्षा :** छात्र अपनी पसंद के विषयों का संयोजन (जैसे - संगीत के साथ भौतिकी) चुन सकेंगे। स्नातक (UG) की डिग्री 3 या 4 वर्ष की होगी; जिसमें मल्टीपल एंट्री और एग्जिट (प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या डिग्री के साथ) का विकल्प होगा।
- **नियामक ढांचा :** चिकित्सा और कानूनी शिक्षा को छोड़कर पूरी उच्च शिक्षा के लिए भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (HECI) की स्थापना।
- **PARAKH :** छात्रों के मूल्यांकन के लिए एक नया राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र 'परख' (Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development) स्थापित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बीस सूत्री कार्यक्रम की नवीनतम रैंकिंग

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा जारी बीस सूत्री कार्यक्रम (TPP) की मार्च, 2026 की नवीनतम रैंकिंग में भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और झालावाड़ (93.33 प्रतिशत अंक) प्रथम स्थान पर रहे।

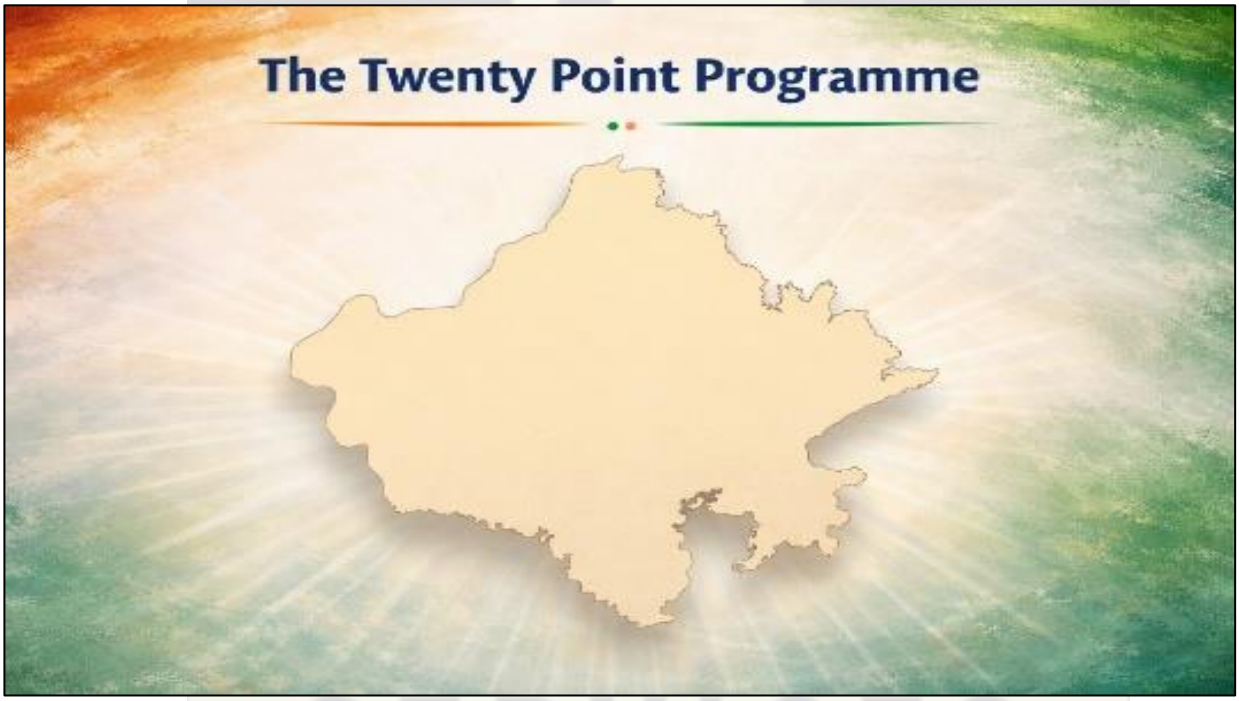

मुख्य बिन्दु:

- जयपुर जिला संस्थागत प्रसव (100 प्रतिशत) और 'ए ग्रेड' पौधारोपण के साथ स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं में अव्वल रहा।
- संयुक्त रूप से जयपुर की 32वीं और जोधपुर की 21वीं रैंक लगी।

बीस सूत्री कार्यक्रम के बारे में :

- **शुरुआत :** वर्ष 1975 में।
- **कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य :** गरीबी को खत्म करना और आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार लाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस कार्यक्रम को वर्ष 1982, 1986 और 2006 में संशोधित किया गया था। बीस सूत्री कार्यक्रम - 2006, 1 अप्रैल 2007 से लागू हुआ।

बीस सूत्री कार्यक्रम - 2006 के 20 बिंदु:-

पॉइंट	विषय
1.	गरीबी उन्मूलन
2.	नागरिक सशक्तीकरण
3.	किसान सहायता
4.	श्रम कल्याण
5.	खाद्य सुरक्षा
6.	सभी के लिए आवास
7.	स्वच्छ पेयजल
8.	सभी के लिए स्वास्थ्य
9.	सभी के लिए शिक्षा
10.	महिला कल्याण
11.	बाल कल्याण
12.	युवा विकास
13.	झुग्गी-झोपड़ियों का सुधार
14.	सामाजिक सुरक्षा
15.	ग्रामीण सड़कों का विकास
16.	ग्रामीण क्षेत्रों का विद्युतीकरण
17.	पिछड़े क्षेत्रों का विकास
18.	IT-सक्षम ई-शासन
19.	पर्यावरण संरक्षण एवं वनीकरण
20.	अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों और OBCs का कल्याण

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान'

चर्चा में क्यों?

- सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर से विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राजस्थान में 100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान' का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- अभियान के तहत शिविरों में 14 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की जांच की जाएगी, जिसमें टीबी स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन (HB), ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर (BP), बॉडी मास इंडेक्स (BMI), चेस्ट एक्स-रे शामिल होंगे।
- **TB स्क्रीनिंग में राजस्थान का स्थान :** वर्ष 2025 में राजस्थान ने 1 करोड़ 75 लाख से अधिक संभावित टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग कर देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **नोट :** वर्ष 2024 में राजस्थान 'टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान' में देश में तीसरे स्थान पर रहा था। अभियान के तहत वर्ष 2024 में राजस्थान की 3,355 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया।
- **नोट :** राजस्थान सरकार द्वारा 'टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान' के तहत वर्ष 2025 में 3,350 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया।
- **वर्ष 2026 के विश्व TB दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम :** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नोएडा (उत्तर प्रदेश) में।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (विश्व तपेदिक दिवस):

- प्रति वर्ष 24 मार्च को विश्व तपेदिक दिवस (World Tuberculosis Day) मनाया जाता है।
- **वर्ष 2026 की विषयवस्तु (Theme) :** हाँ! हम TB को खत्म कर सकते हैं! देशों के नेतृत्व में। लोगों की शक्ति से। (Yes! We can End TB! Led by countries. Powered by people)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

WWF - इंडिया एवं PK फाउंडेशन सम्मान समारोह

चर्चा में क्यों?

- WWF-इंडिया और प्रभा खेतान फाउंडेशन (PKF) के संयुक्त तत्वावधान में हाल ही में जयपुर में 6वां 'मछली' एवं 'वन्य प्राणी मित्र' सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- यह समारोह वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से काम करने वाले वन रक्षकों और सामुदायिक नायकों को सम्मानित करने के लिए समर्पित था।

प्रमुख पुरस्कार :

- **मछली अवार्ड:** यह पुरस्कार वन्यजीवों के रेस्क्यू और अवैध शिकार विरोधी गतिविधियों के लिए दिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्राप्तकर्ता :** उदयपुर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम : सामूहिक प्रयासों के लिए।
- **प्राप्तकर्ता :** सरोज कंवर : वन्यजीव संरक्षण में योगदान के लिए।
- **प्राप्तकर्ता :** अनीता चौधरी : शेरगढ़ सेंचुरी, कोटा की फॉरेस्ट गार्ड, जिन्होंने 500 से अधिक वन्यजीवों को रेस्क्यू किया।
- **प्राप्तकर्ता :** रामलाल गुर्जर : एंटी-पोचिंग और सामुदायिक जुड़ाव के लिए।
- **वन्य प्राणी मित्र अवार्ड :** यह पुरस्कार मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन और सामुदायिक जागरूकता के लिए दिया गया।
- **प्राप्तकर्ता :** अनिल कुमार बिश्नोई (हनुमानगढ़) : पिछले 35 वर्षों में 10,000 से अधिक हिरणों को बचाया।
- **प्राप्तकर्ता :** पीरा राम धायल (जालौर) : पश्चिमी राजस्थान में वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण के लिए।
- **प्राप्तकर्ता :** दर्शन कुमार मेनारिया (उदयपुर) : संघर्ष प्रबंधन और संरक्षण कार्यों के लिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राष्ट्रीय पैरा तलवारबाजी प्रतियोगिता – 2026** ■ **आयोजन :** सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में 23 से 27 मार्च, 2026 तक। ■ **आयोजक :** दिव्यांग पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान।
2.	**भारत की प्रथम बीच ताईजीक्वान नेशनल वुशु चैंपियनशिप में राजस्थान** ■ **आयोजन :** भारत की प्रथम बीच ताईजीक्वान (Taijiquan) जूनियर और सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप का आयोजन चेन्नई में 20 से 23 मार्च, 2026 तक। ■ **राजस्थान का प्रदर्शन:** एक रजत और दो कांस्य सहित कुल तीन पदक। ■ **रजत पदक :** किशन कच्छावा ■ **कांस्य पदक :** ऋद्धि पारिक ■ **कांस्य पदक :** ऋद्धि पारिक और अभिज्ञा शर्मा की जोड़ी ने पेयर ताईचीवान में। ■ आयोजक : भारतीय वुशु संघ और तमिलनाडु वुशु संघ।
3.	**'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान** ■ जयपुर के जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने हाल ही में 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान की शुरुआत की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि इस पुरस्कार के लिए नामांकन पूरे वर्ष खुले रहते हैं। इन्हें 30 सितंबर तक जमा किया जा सकता है।

मुख्य बिन्दु:

सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार

- **घोषणा:** प्रतिवर्ष 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर।
- **संस्था:** भारत सरकार द्वारा स्थापित।
- **श्रेणियाँ:** व्यक्तिगत और संस्थागत।
- **क्षेत्र:** आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों और संस्थानों के अमूल्य योगदान को मान्यता देना।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक और संस्थान, दोनों इसके पात्र हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व क्षय रोग दिवस

चर्चा में क्यों?

- विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च को लोगों को क्षय रोग के बारे में शिक्षित करने के लिए मनाया जाता है।

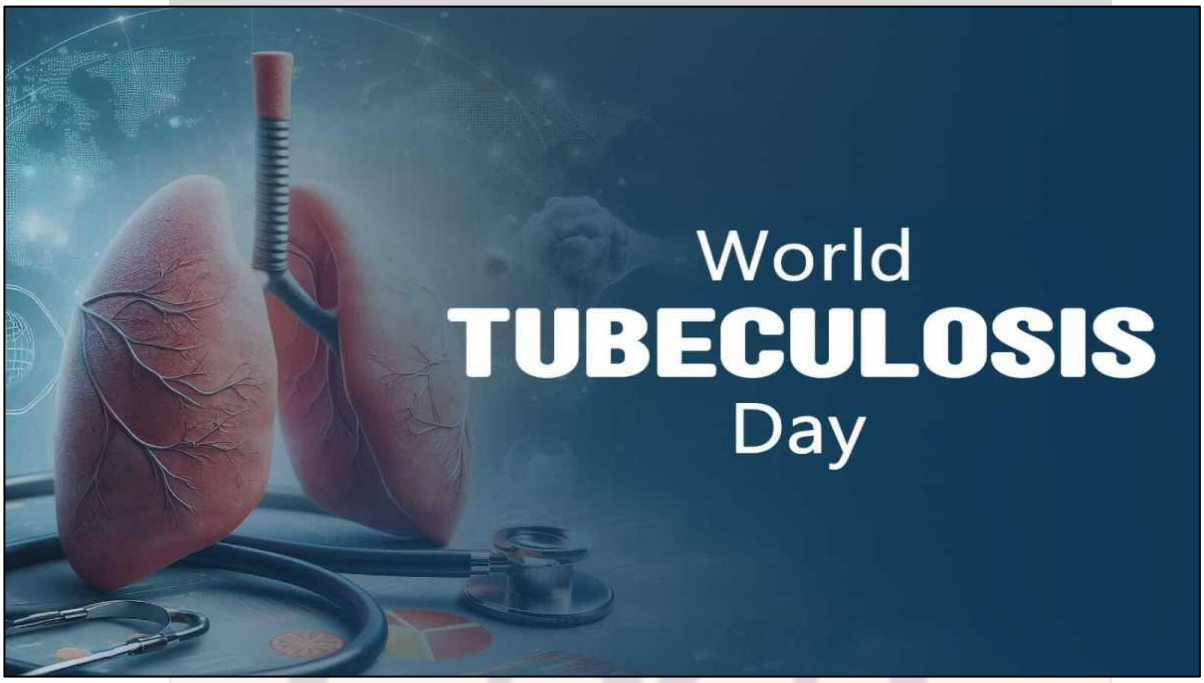

मुख्य बिन्दु:

- यह दिन डॉ. रॉबर्ट कोच द्वारा 1882 में टीबी बैक्टीरिया की खोज की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- 2026 का विषय है "हाँ! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं", जो आशा के साथ-साथ कार्रवाई पर भी केंद्रित है।

तपेदिक

- तपेदिक (टीबी) एक संक्रामक रोग है जो ज्यादातर फेफड़ों को प्रभावित करता है और यह माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है।
- यह संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से हवा के माध्यम से फैलता है ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

बायोगैस

चर्चा में क्यों?

- रसोई गैस की भारी किल्लत को देखते हुए बायोगैस एक विकल्प के रूप में उभर रही है।

मुख्य बिन्दु:

- बायोगैस का उत्पादन तब होता है जब जैविक पदार्थ को बैक्टीरिया द्वारा ऑक्सीजन-रहित वातावरण में खंडित किया जाता है। इस प्रक्रिया को अवायवीय अपघटन कहा जाता है।

बायोगैस के बारे में

- **संघटक:** मीथेन (CH_4) 55-60%, कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) 35-40%, तथा आंशिक मात्रा में अमोनिया, हाइड्रोजन सल्फाइड (H_2S) और नमी।

उत्पादन में शामिल मुख्य प्रौद्योगिकियाँ:

- **बायोडाइजेस्टर्स:** इस प्रौद्योगिकी में वायुरोधी प्रणालियों (जैसे कंटेनर या टैंक) में पानी में घुले जैविक पदार्थों को प्राकृतिक सूक्ष्मजीवों द्वारा तोड़ा जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **लैंडफिल गैस पुनर्प्राप्ति प्रणाली:** इसमें लैंडफिल स्थलों पर नगर ठोस अपशिष्ट का अवायवीय परिस्थितियों में अपघटन किया जाता है।
- **अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र:** ये संयंत्र सीवेज स्लज से जैविक पदार्थ, ठोस और पोषक तत्त्वों को पुनः प्राप्त कर सकते हैं, जिन्हें बायोगैस उत्पादन के लिए इनपुट के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

भारत में बायोगैस के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रमुख पहलें

- **गैलवनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (GOBARdhan) योजना:** यह 2018 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शुरू की गई। इसका उद्देश्य जैविक अपशिष्ट को बायोगैस में परिवर्तित करना है।
- **राष्ट्रीय बायो-एनर्जी कार्यक्रम (NBP):** इसमें बायोगैस से संबंधित उप-योजनाएँ शामिल हैं; जैसे कि:
- **अपशिष्ट से ऊर्जा कार्यक्रम:** शहरी, औद्योगिक, कृषि अपशिष्ट और नगर ठोस अपशिष्ट से बायोगैस/बायो-CNG आदि के रूप में ऊर्जा उत्पादन।
- इसमें भस्मीकरण, गैसीकरण, या तापीय अपघटन जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं।
- **बायोगैस कार्यक्रम (2021-22 से 2025-26):** इसका उद्देश्य खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन, प्रकाश आदि के लिए बायोगैस संयंत्रों की स्थापना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कृषि नवाचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI4AI)

चर्चा में क्यों?

- विश्व आर्थिक मंच (WEF) की AI4AI पहल कृषि क्षेत्रक में परिवर्तन ला रही है।

मुख्य बिन्दु:

AI4AI

- **प्रारंभ:** 2021
- **लक्ष्य:** यह प्रभावशाली कृषि-तकनीक समाधानों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए सार्वजनिक और निजी भागीदारों को एक साथ लाती है। इसका उद्देश्य वैश्विक खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन में तेजी लाना है।
- **प्रमुख फोकस क्षेत्र:** इसमें समावेशिता, संधारणीयता और दक्षता शामिल हैं।
- 2021 से 2024 तक भारत के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और मध्य प्रदेश द्वारा इसका उपयोग किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए पहलें

चर्चा में क्यों?

- भारत की ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन पहलें शुरू की गई हैं। इनमें नेशनल AI स्किलिंग इनिशिएटिव, माय वेव्स (MyWAVES) और टेलीविजन सेट में इन-बिल्ट सैटेलाइट ट्यूनर के साथ एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम गाइड (EPG) का रोलआउट शामिल है।

मुख्य बिन्दु:

- ऑरेंज इकोनॉमी को क्रिएटिव इकोनॉमी भी कहा जाता है। यह उन क्षेत्रों को संदर्भित करता है, जो पारंपरिक विनिर्माण की बजाय विचारों, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और बौद्धिक संपदा द्वारा संचालित होते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नेशनल AI स्किलिंग इनिशिएटिव:

- **प्रारंभकर्ता:** इसे सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने गूगल और यूट्यूब के साथ साझेदारी में शुरू किया है।
- **लक्ष्य:** इसका लक्ष्य रचनात्मक और मीडिया क्षेत्रों के 15,000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना है।
- **कार्यान्वयन:** इसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (IICT) के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

माय वेव्स (MyWAVES):

- यह उपयोगकर्ता द्वारा उत्पन्न कंटेंट के लिए एक संरचित मंच है। यह नागरिकों को प्रसार भारती के WAVES OTT प्लेटफॉर्म पर कंटेंट बनाने, अपलोड करने और साझा करने में सक्षम बनाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

गर्भ-इनी (GARBH-INi)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि GARBH-INi पहल के अंतर्गत 12,000 महिलाओं पर यह अध्ययन समयपूर्व जन्म की समस्या से निपटने हेतु स्वदेशी, AI-आधारित समाधान विकसित करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

गर्भ-इनी

- यह जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा समर्थित एक प्रमुख कार्यक्रम है।
- **लक्ष्य:** गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों को कम करना।
- इस पहल ने एक राष्ट्रीय बायोरिपोजिटरी और 'GARBH-INi-DRISHTI' डेटा-साझाकरण प्लेटफॉर्म स्थापित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (RoDTEP) योजना

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने सभी पात्र निर्यात उत्पादों के लिए RoDTEP योजना के तहत दरों और मूल्य सीमाओं को बहाल करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिन्दु:

RoDTEP योजना

- इसे विदेश व्यापार नीति 2015-20 में संशोधन करके 2021 में शुरू किया गया था।
- इस योजना ने 'मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट्स फ्रॉम इंडिया स्कीम' (MEIS) का स्थान लिया है। WTO द्वारा MEIS को अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रथाओं के असंगत घोषित किए जाने के बाद यह बदलाव किया गया था।
- **उद्देश्य:** यह निर्यातित वस्तुओं के निर्माण और वितरण के दौरान लगने वाले करों और शुल्कों का रिफंड प्रदान करता है। यह उन लेवी पर लागू होता है जिनकी प्रतिपूर्ति किसी अन्य तंत्र के तहत नहीं की जाती है।
- इसे केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग द्वारा प्रशासित किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

मध्य पूर्व संघर्ष का आर्थिक प्रभाव

चर्चा में क्यों?

- मध्य पूर्व संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक संरचनात्मक जोखिम उत्पन्न करने के साथ-साथ वैश्विक कमोडिटी बाजारों, औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं, वित्तीय परिस्थितियों और भू-राजनीतिक समीकरणों के प्रमुख पहलुओं को पुनः आकार दे रहा है।

मुख्य बिन्दु:

संघर्ष के प्रमुख प्रभाव

- **शिपिंग मार्ग:** होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो रही है। यह ईरान और ओमान के बीच एक संकरा समुद्री मार्ग है। यह कमोडिटी के आवागमन के लिए एक चोकपॉइंट है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाएँ:** उदाहरण के लिए, हीलियम सेमीकंडक्टर विनिर्माण, मेडिकल इमेजिंग और अन्य उच्च-प्रौद्योगिकी उपयोगों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। युद्ध की वजह से कतर में इसका उत्पादन प्रभावित हुआ है। गौरतलब है कि हीलियम के निर्यात में कतर का लगभग एक-तिहाई योगदान है।
- **वैश्विक खाद्य प्रणाली:** खाड़ी क्षेत्र यूरिया, अमोनिया, सल्फर और अन्य उर्वरकों की आपूर्ति का एक प्रमुख केंद्र है।
- भारत उर्वरक उत्पादन में उपयोग होने वाली LNG (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है।
- **भौगोलिक क्षेत्रों में असमान प्रभाव:** इस युद्ध का खामियाजा एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को अधिक झेलना पड़ रहा है, क्योंकि 2024 में होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भेजे गए तेल और LNG का 80% से अधिक हिस्सा एशियाई बाजारों में गया था।
- **आर्थिक नीतियों पर प्रभाव:** स्टैगफ्लेशन यानी मुद्रास्फीतिजनित मंदी का खतरा बढ़ रहा है। तेल की उच्च या बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति में वृद्धि करती हैं और विकास की गति को धीमा करती हैं।
- वर्तमान मध्य-पूर्व संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि खाड़ी क्षेत्र एक सामरिक मंच है जहाँ आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक हित परस्पर जुड़े हुए हैं। ऐसे संकटों से निपटने के लिए विविध साझेदारियों और लचीली कूटनीति की आवश्यकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सुर्ख़ियों में रहे संघर्षरत क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

- IAEA ने इजराइल के परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास ईरानी मिसाइल हमले की रिपोर्ट के बाद अधिकतम संयम का आह्वान किया है।

मुख्य बिन्दु:

- डिमोना नेगेव मरुस्थल में स्थित इजराइल के परमाणु अनुसंधान केंद्र की मेजबानी करने वाला शहर है।

अन्य क्षेत्र:

- **नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र:** यह एक ईरानी केंद्र है।
- **साउथ पार्स गैस क्षेत्र:** यह ईरान और कतर के बीच दुनिया के सबसे बड़े साझा प्राकृतिक गैस क्षेत्र का हिस्सा है।
- **लितानी नदी:** इजरायल द्वारा दक्षिणी लेबनान में इस नदी पर बने क्रॉसिंग को नष्ट कर दिया गया, जिसका उपयोग हिजबुल्लाह द्वारा किया जा रहा था।
- **टायर शहर:** दक्षिणी लेबनान में स्थित यह एक तटीय शहर है। यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है।
- **रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी:** हाल ही में, कतर का यह मुख्य गैस केंद्र हमले की चपेट में आया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ग्लोब नेटवर्क (GlobE Network)

चर्चा में क्यों?

- भारत ने 'ग्लोबल ऑपरेशनल नेटवर्क ऑफ एंटी-करप्शन लॉ एन्फोर्समेंट अथॉरिटीज' (GlobE Network) की 12वीं संचालन समिति की बैठक की मेजबानी की।

मुख्य बिन्दु:

GlobE नेटवर्क

- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना 2021 में हुई थी। यह सऊदी अरब की G20 अध्यक्षता (2020) के दौरान शुरू की गई 'रियाद पहल' पर आधारित है।
- **परिचय:** यह विशेषीकृत भ्रष्टाचार-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसियों का एक वैश्विक मंच है।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार के मामलों का पता लगाने और जांच करने के लिए दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय सहयोग करना है। इसके साथ ही इन मामलों में मुकदमा चलाने के लिए भी सहयोग बढ़ाना है।
- **सदस्यता:** यह संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों की भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसियों के लिए खुला है। इसके अलावा, 'भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय' (UNCAC) के पक्षकार देश भी इसके सदस्य बन सकते हैं।
- भारत के 'केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो' (CBI) और 'प्रवर्तन निदेशालय' (ED) इसके सदस्य हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पैक्स सिलिका और डिजिटल उपनिवेशवाद का नया युग

चर्चा में क्यों?

- राज्यसभा में यह चिंता जताई गई है कि पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी से डिजिटल उपनिवेशवाद का उदय हो सकता है।

मुख्य बिन्दु:

पैक्स सिलिका

- पैक्स सिलिका एक अमेरिकी नेतृत्व वाली रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य महत्त्वपूर्ण खनिजों से एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार संचालित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है।
- पहला पैक्स सिलिका शिखर सम्मेलन दिसंबर 2025 में आयोजित किया गया था और इस पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, इज़राइल, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूके, नीदरलैंड और यूएई शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत ने फरवरी, 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान इस पहल में भाग लिया।

डिजिटल उपनिवेशवाद क्या है?

- डिजिटल उपनिवेशवाद से तात्पर्य एक ऐसी प्रणाली से है जहाँ विकसित देश या निगम अन्य देशों के डिजिटल बुनियादी ढांचे, डेटा और तकनीकी मानकों को नियंत्रित करते हैं।
- विकासशील देश विदेशी प्लेटफार्मों, सॉफ्टवेयर और डेटा पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर हो जाते हैं।
- यह शास्त्रीय उपनिवेशवाद के समान है, लेकिन नियंत्रण क्षेत्र के बजाय डेटा, एल्गोरिदम और डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है।

डिजिटल उपनिवेशवाद के संभावित चालक के रूप में पैक्स सिलिका

- प्रौद्योगिकी मानक-निर्धारण में प्रभुत्व,
- डेटा इकोसिस्टम पर नियंत्रण,
- तकनीकी निर्भरता,
- सामरिक स्वायत्तता का क्षरण।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

वैश्विक जलवायु की स्थिति 2025 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन 65 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुँचा।

मुख्य बिन्दु:

- यह निष्कर्ष WMO द्वारा विश्व मौसम विज्ञान दिवस के अवसर पर जारी वैश्विक जलवायु की स्थिति 2025 रिपोर्ट का हिस्सा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- विश्व मौसम विज्ञान दिवस 23 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम थी- आज का अवलोकन, कल की सुरक्षा (Observing Today, Protecting Tomorrow)।
- इस रिपोर्ट में पहली बार पृथ्वी के ऊर्जा असंतुलन को प्रमुख जलवायु संकेतकों में शामिल किया गया।

पृथ्वी के ऊर्जा असंतुलन (EEI)

- यह पृथ्वी द्वारा सूर्य से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा और पृथ्वी द्वारा अंतरिक्ष में वापस छोड़ी जाने वाली ऊर्जा की मात्रा के बीच का अंतर है।
- **"धनात्मक" EEI:** पृथ्वी ऊर्जा प्राप्त कर रही है और गर्म हो रही है
- **"ऋणात्मक" EEI:** पृथ्वी ऊर्जा खो रही है और ठंडी हो रही है
- EEI जलवायु प्रणाली में मानवजनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण ऊष्मा संचय की दर को मापता है और वैश्विक तापवृद्धि की समग्र तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पृथ्वी के ऊर्जा असंतुलन में वृद्धि के कारण:

- ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता,
- एरोसोल उत्सर्जन में कमी,
- ट्रेस गैसों और जलवाष्प में वृद्धि (जिससे दीर्घ-तरंग विकिरण का उत्सर्जन घटता है),
- बादलों और समुद्री बर्फ द्वारा परावर्तन में कमी।

रिपोर्ट के अन्य प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2025 अब तक का दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जो 1850–1900 के औसत से लगभग 1.43°C अधिक था।
- 2015–2025 के बीच के 11 वर्ष अब तक के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं।
- वर्ष 2024 में वायुमंडलीय CO_2 की सांद्रता पिछले 20 लाख वर्षों में सबसे अधिक दर्ज की गई।
- महासागरीय ऊष्मा की मात्रा वर्ष 2025 में एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR